

दाल स्त्री. (तद्.) 1. एक सामान्य खाद्य पदार्थ जो आम तौर पर फलियों में होता है और दो भागों (दल) में विभक्त होता है 2. पकाया हुआ विशिष्ट व्यंजन मुहा. दाल गलना- सफल हो जाना; दाल न गलना- एक न चलना; दाल में नमक के बराबर- कम मात्रा में परंतु आवश्यकतानुसार; जूतियों में दाल बँटना- लड़ाई झगड़ा होना; दाल में कुछ काला होना- संदेहास्पद होना।

दाल-चीनी पुं. (तत्.) दे. दारचीनी।

दाल-भात पुं. (देश.) 1. सामान्य भोजन, उदा. किसी दिन हमारे घर का दाल भात भी ग्रहण कीजिए 2. रोजी रोटी प्रयो. किसी प्रकार दाल-भात चल रहा है।

दाल-मोठ स्त्री. (देश.) एक विशिष्ट व्यंजन जिसे बनाने के लिए दाल को (विशेष रूप से मूँग की या चने की दाल को) कुछ घंटे भिगोकर तेल में तल लिया जाता है, बाद में नमक, मसाले मिलाकर इसे खाते हैं।

दाल-रोटी स्त्री. (देश.) दे. दालभात मुहा. दालरोटी चलना- निर्वाह होना, जीविका चलना, काम चलाना; दालरोटी में काम चलाना- संतोषवृत्ति से निर्वाह करना, थोड़े में गुजारा करना; दालरोटी में खुश रहना- कम आमदनी में भी प्रसन्नचित्त रहना।

दालान पुं. (फा.) मेहराबदार दरवाजों से युक्त या तीन दरवाजों वाला लंबा कमरा, लंबा बरामदा जो एक ओर से खुला हो और जिसके ऊपर छत हो।

दाब पुं. (तत्.) 1. वन, अरण्य 2. अग्नि का एक भेद, वह भाग जो जंगलों में अपने आप (वृक्षों के परस्पर रगड़ने के कारण) लग जाती है, दावानल।

दावत स्त्री. (अर.) 1. भोज, सामूहिक भोजन 2. भोजन का निमंत्रण 3. किसी भी प्रयोजन से आमंत्रित करना 4. ईश्वर की प्रार्थना 5. सामूहिक एकत्रीकरण जैसे- जुमे (शुक्रवार) की नमाज की दावत।

दावतनामा पुं. (अर.) दावत के लिए निमंत्रण पत्र।

दावा पुं. (अर.) 1. किसी वस्तु पर अपना अधिकार स्थापित करने के लिए न्यायालय या अन्य उचित स्थान पर किया गया प्रतिवेदन 2. अधिकार, स्वत्व, हक 3. अधिकारपूर्ण उक्ति- जैसे- मेरा दावा है कि..... मुहा. दावा जमाना/ ठोंकना- अधिकार प्राप्ति के लिए मुकदमा करना।

दावागीर वि. (अर.) दावा करने वाला, अधिकार जताने वाला।

दावाग्नि पुं. (तत्.) दे. दावा।

दावानल पुं. (तत्.) दे. दावा।

दावेदार पुं. (अर.) दे. दावागीर।

दाशमिक वि. (तत्.) 1. दसवाँ (दशम) से संबंधित 2. गणित में अंकलेखन की पद्धति जिसमें बाईं ओर के अंक का मान दसगुना होता है, दस के आधार वाली (पद्धति), दशमलव की।

दाशरथ/दाशरथि पुं. (तत्.) दशरथ के पुत्र राम, लक्ष्मण आदि।

दाशरात्रिक वि. (तत्.) 1. दस रात्रि (दिन) की अवधि में होने वाला यज्ञ 2. दस रात्रियों से संबंधित।

दास पुं. (तत्.) 1. सेवा के लिए समर्पित व्यक्ति, नौकर, सेवक 2. बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि में प्रचलित उपाधि

दासता स्त्री. (तत्.) दास होने का भाव, दासत्व, नौकरी, गुलामी, पराधीनता।

दासभाव पुं. (तत्.) दे. दासता।

दासानुदास पुं. (तत्.) दासों का भी दास (अत्यंत विनम्रता प्रकट करने के लिए इस शब्द का प्रयोग होता है)।

दासिका/दासी स्त्री. (तत्.) सेवा करने वाली स्त्री।

दासेय पुं. (तत्.) दासी का पुत्र, छोटा दास।

दास्ताँ/दास्तान स्त्री. (फा.) 1. कथा, कहानी, लंबी कहानी, किस्सा, वर्णन, आपबीती 2. इतिहास-कथा, वृत्तांत।